प्राकृतिक विपत्तियों के समय हेम रेडियो ही संचार का एकमात्र विकल्प-कार्तिकेयन

हैम रेडियो के रजत जयंति समारोह म पहुंचे देश विदेश के लायसेन्स धारक

आबू रोड: 5 नवम्बर, निसं। वतमान समय का युग विज्ञान का है। परन्तु प्राकृतिक आपदाओं के समय ऐसी विपदा आ जाती है जिसका मुकाबला करना कठिन हो जाता है। ऐसे म हैम रेडियो का महत्वपूण हो जाती है। प्राकृतिक विपदा के समय हैम रेडियो का दूसरा कोई विकल्प नहीं है। उक्त उदगार सीबाआई के पूव निदेशक तथा हेमेस्ट-2016 के अध्यक्ष डा कार्तिकेयन ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के मनमोहिनी वन के ग्लोबल आडिटोरियम म रेडियो मधुबन तथा हैम रेडियो के संयुक्त तत्वाधान म आयोजित रजत जयन्ति समारोह म बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह एक हॉबी नहीं बल्कि आपातकाल का मजबूत तंत्र है। आज भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व म हैम रेडियो का मांग बढ़ रही है। हैम रेडियो को 25 वष हो गये जिसके सन्दभ म रजत जयंति समारोह मनाया जा रहा है। आने वाले समय म इसकी उपयोगिता और बढ़ जायेगी। आये दिन प्राकृतिक आपदा होती है और ऐसे म आपदा से बचाव के लिए रजायोग सीखना जरूरी है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि मन की शक्ति और अध्यात्म हर तरह की विपत्तियों म सहायता प्रदान करते ह। जब तक हमारे अन्दर आध्यात्मिक शक्ति रहेगी तब तक परमात्मा हर वक्त हमारा मददगार रहेगा। यह सम्मेलन म जो देश के कोने कोने से आये है उन्ह और लोगों को भी इसके बारे म जागरूक करना चाहिए। कायक्रम म एमेच्योर रेडियो संघ के अध्यक्ष गोपाल माधवन ने कहा कि जब देश व दुनिया म कोई संचार व्यवस्था नहीं काय करती है तब हेम रेडियो काय करती है। आज प्रसन्नता है कि इस रजत जयंति समारोह म देश व देश के बाहर के रेडियो के लाईसेन्स धारक भाग लेने पहुंचे है। इससे आपात काल म जन सेवा के लिए मदद मिलेगी।

इस अवसर पर वेनेजुएला हेम रेडियो आपरेटर तथा सुप्रसिद्ध आन्कोलोजिस्ट रेमोन पेरेज ब्रेट ने कहा कि भारत म आकर इस समारोह म भाग लेना अच्छा लग रहा है। भारत की संस्कृति का तारतम्य सुखद है। एमेच्योर रेडियो इन्स्टीटयूट हैदराबाद के संस्थापक निदेशक एस सूरी ने कहा कि पूरे भारत म करीब 72 हजार हैम रेडियो लाईसेन्स धारक है। जो समय प्रति समय पर विपदाओं के समय लोगों की मदद करते ह।

कायक्रम म हैम रेडियो के वाईस प्रेसिडेन्ट बीके मृत्युंजय, ब्रह्माकुमारीज संस्थान जापान की प्रभारी बीके रजनी ने भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इसे और व्यापक रूप म प्रचारित एवं प्रसारित करने की जरूरत है। रेडियो मधुबन के कोआर्डिनेटर तथा कायक्रम आयोजक बीके यशवन्त पाटिल, सीके नन्दा समेत कई लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।

आज भी लोगों का सीबीआई पर भरोसा-कार्तिकेन

आबू रोड, 5 नवम्बर, निसं। कायक्रम म हिस्सा लेने आये सीबीआई के पूव निदेशक डा आर कार्तिकेन ने कहा कि आज भी लोगों का सीबीआई पर भरोसा है। राजनीतिक पार्टियां जब विपक्ष म होती है तो वे हमेशा सीबीआई पर रूलिंग पार्टी का दुरूपयोग करने का आरोप लगाती रहती है। परन्तु इससे सीबीआई की कायक्षमता पर कोई असर नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सीबीआई की व्यवस्था लोकतांत्रिक है। जिसका मापदण्ड जनता तय करती है। यह बात उन्होन बातचीत म कही।

फोटो, एबीआरओपी, 5, 6, 7, 8 हैम रेडियो का उदघाटन करते अतिथि, सभा को सम्बोधित करते कार्तिकेन तथा सभा म उपस्थित हैम रेडियो के लाईसेन्स धारक।